No. of Printed Pages : 7

# BPY–010

## BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

## Term-End Examination

## December, 2024

### Elective Course : Philosophy

### BPY–010 : EPISTEMOLOGY

*Time : 3 Hours* *Maximum Marks : 100*

***Note :*** *(i) Answer all the **five** questions.*

*(ii) All questions carry equal marks.*

*(iii) Answer to Q. No. 1 and Q. No. 2 should be in about **400** words each.*

1. Discuss in detail Habermas' method of argumentation for norm formation. Why does he emphasize on argumentation ? 20

*Or*

Define Naturalized Epistemology. Discuss in detail the methodological relation between Science and Epistemology. 20

2. What is coherentism ? Discuss the different kinds of coherentism. Explain its significance. 20

*Or*

What are the different classical theories of truth ? Critically evaluate these classical theories of truth. 20

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

   (a) Differentiate between determinate and indeterminate perception according to Nyāya Philosophy. 10

   (b) Briefly discuss Apoha theory of Buddhism. 10

   (c) What are the fundamental assumptions of epistemology ? Explain. 10

   (d) Write a note on the Metaphysics of Aristotle. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) Write a note on Epistemic Justification. 5

(b) What is the nature and criteria of truth ? 5

(c) Compare between Foucault's and Derrida's critique of 'the subject'. 5

(d) Describe communicative rationality of Habermas. 5

(e) Write a note on Hypothetico-Deductive method. 5

(f) How does Mīmaṁsa Philosophy defend the infallibility of the authority of Vedas ? 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Gyan-Lakshan Pratyakṣa 4

(b) Plato's definition of knowledge 4

(c) Methodological continuity 4

(d) Sphota 4

(e) Association of Ideas 4

(f) A posteriori 4

(g) Ecological approach to perception 4

(h) Cogito Ergo Sum

# BPY–010

## स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम

## ( बी. डी. पी. )

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2024

## ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

## बी.पी.वाई.–010 : ज्ञानमीमांसा

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** *(i) सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

*(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

*(iii) प्रश्न क्रमांक* ***1*** *एवं* ***2*** *के उत्तर लगभग* ***400–400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. मानक (नोर्म) निर्माण हेतु हेबरमास की युक्तिकरण पद्धति की विस्तृत चर्चा कीजिए। वे युक्तिकरण पर बल क्यों देते हैं ? 20

**अथवा**

प्रकृतिकृत/देशीयकृत ज्ञानमीमांसा को परिभाषित कीजिए। विज्ञान और ज्ञानमीमांसा के मध्य पद्धतिपरक सम्बन्ध की विस्तृत चर्चा कीजिए। 20

2. संसक्ततावाद क्या है ? विभिन्न प्रकार के संसक्ततावाद की चर्चा कीजिए। इसके महत्व की व्याख्या कीजिए। 20

**अथवा**

सत्य सम्बन्धी विभिन्न शास्त्रीय (क्लासिकल) सिद्धांत कौन-से हैं ? इन शास्त्रीय सत्य के सिद्धांतों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए :

(अ) न्याय दर्शन के अनुसार सविकल्पक एवं निर्विकल्पक प्रत्यक्ष के मध्य अन्तर कीजिए। 10

(ब) बौद्ध दर्शन के अपोह सिद्धांत की संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 10

(स) ज्ञानमीमांसा की मूलभूत पूर्वमान्यताएँ क्या हैं ? व्याख्या कीजिए। 10

(द) अरस्तू की तत्वमीमांसा पर टिप्पणी लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150–150** शब्दों में लिखिए :

(अ) ज्ञानमीमांसीय प्रमाणीकरण पर टिप्पणी लिखिए। 5

(ब) सत्य की प्रकृति और मानदण्ड क्या हैं ? 5

(स) फूको और दरिदा की विषयी की आलोचनाओं की तुलना कीजिए। 5

(द) हेबरमास की संप्रेषणात्मक बौद्धिकता का वर्णन कीजिए। 5

(य) प्राक्कल्पनात्मक–निगमनात्मक पद्धति पर टिप्पणी लिखिए। 5

(र) मीमांसा दर्शन वेदों की प्राधिकारिता (प्रामाण्य) की असंदिग्धता की रक्षा कैसे करता है ? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग **100–100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) ज्ञान–लक्षण प्रत्यक्ष 4

(ब) प्लेटो की ज्ञान की परिभाषा 4

(स) पद्धतिपरक सांतत्य 4

(द) स्फोट 4

(य) विचारों/प्रत्ययों का साहचर्य 4

(र) आनुभविक 4

(ल) प्रत्यक्ष सम्बन्धी पारिस्थितिक दृष्टिकोण 4

(व) कोजिटो इर्गो सम (मैं सोचता हूँ, इसलिए मैं हूँ।) 4

× × × × × × ×